www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Civil Services (Main) Examination, 2026

KVMS-C-MTLI

मैथिली / MAITHILI

(अनिवार्य) / (Compulsory)

निर्धारित समय : **तीन घंटे**	अधिकतम अंक : **300**
*Time Allowed : **Three Hours***	*Maximum Marks : **300***

प्रश्नपत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व देल गेल निर्देशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ू :

सभ प्रश्न अनिवार्य अछि।

प्रत्येक प्रश्न/भागक अंक ओकरा सामने अंकित अछि।

उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) में लिखू, जाधरि कि प्रश्नमे कोनो दोसर निर्देश नहि हो।

प्रश्नमे शब्दक संख्याक ध्यान राखू, अधिक वा कम शब्दमे उत्तर लिखला पर अंक काटल जा सकैत अछि।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकामे रिक्त छोड़ल स्थानकेँ स्पष्ट रूपसँ अवश्य काटि दी।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **MAITHILI** (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Prepp
Your Personal Exams Guide

Q1. **निम्नलिखितमे सँ कोनो एक विषय पर 600 (छओ सय) शब्दमे निबन्ध लिखू :** ***100***

(a) भारतबोधक अवधारणा आ अपन भविष्य

(b) डिजिटल युगमे नागरिकक कर्तव्य

(c) भारतमे अंतरिक्ष अनुसंधान आ मंगलयान

(d) स्वास्थ्य सेवाक उपलब्धता आ गुणवत्ता

Q2. **निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओकर आधार पर नीचाँ देल गेल प्रश्नक उत्तर स्पष्ट, सही आ संक्षेपमे लिखू :** ***12×5=60***

दु:खक वर्गमे जे स्थान भयक अछि, वैह स्थान आनन्द-वर्गमे उत्साहक अछि। जाहि कर्ममे कोनो प्रकारक कष्ट वा हानि सहबाक साहस अपेक्षित होइत अछि, ओहि सभक प्रति उत्कण्ठापूर्ण आनन्द उत्साहक अन्तर्गत लेल जाइत अछि। कष्ट वा हानिक भेदक अनुसार उत्साहक भेद भऽ जाइत अछि। साहित्य-मीमांसक एहि दृष्टिसँ युद्धवीर, दानवीर, दयावीर, आदिक भेद कयने छथि। एहिमे सबसँ प्राचीन आ प्रधान युद्ध वीरता अछि, जाहिमे आघात, पीड़ा आ मृत्युक परवाह नहि रहैछ। एहि प्रकारक वीरताक प्रयोजन अत्यन्त प्राचीन कालसँ चल आबि रहल अछि, जाहिमे साहस आ प्रयत्न दुनू चरम उत्कर्ष पर पहुँचैत अछि। मात्र कष्ट वा पीड़ा सहन करबाक साहसमे, उत्साहक स्वरूप स्फुरित नहि होइछ। ओहि संग आनन्दपूर्ण प्रयत्न वा ओकर उत्कण्ठाक योग सेहो चाही। बिना विहोश भेल पैघ गुड़ वा घावकेँ चिरेबाक लेल तैयार होयब साहस कहल जायतु उत्साह नहि। एहि प्रकारेँ चुपचाप, बिना हाथ-पैर हिलेने, घोर प्रहार सहन करबाक लेल तैयार रहब साहस आ कठिन-सँ-कठिन प्रहार सहि कऽ स्थान सँ नहि हटब धीरता कहल जायत। एहन साहस आ धीरताकेँ उत्साहक अन्तर्गत तखने आनि सकैत छी, जखन साहसी वा धीर ओहि काजकेँ आनन्दक संग करैत चल जायत, जाहि कारणेँ ओकर एतेक प्रहार सहन करऽ पड़ैत छै। सारांश ई जे आनन्दपूर्ण प्रयत्न वा ओकर उत्कण्ठामे उत्साहक दर्शन होइत छै, मात्र कष्ट सहबाक निश्चेष्ट साहसमे नहि। धृति आ साहस दुनूक उत्साहक बीच संचरण होइत अछि।

दानवीरक अर्थ-त्यागक साहस अर्थात् ओकरामे होइबला कष्ट वा कठिनता केँ सहन करबाक क्षमता अन्तर्हित रहैत अछि। दानवीरता तखने कहल जायत, जखन दानक कारण दानीकेँ अपन जीवन-निर्वाहमे कोनो प्रकारक कष्ट वा कठिनाइ देखाइ देत। एहि कष्ट वा कठिनाइक मात्रा वा सम्भावना जतेक बेसी होयत, दानवीरता ओतेक ऊँच बूझल जायत। किंतु, एहि अर्थ-त्यागक साहसक संग जा धरि पूर्ण तत्परता आ आनन्दक चिह्न नहि देखा पड़य, ता धरि उत्साहक स्वरूप नहि ठाढ़ होयत।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

युद्धक अतिरिक्त संसारमे आर एहन विकट काज होइत अछि, जाहिमे घोर शारीरिक कष्ट सहऽ पड़ैत छै आ प्राण-हानि धरिक सम्भावना रहैत छै। अनुसंधानक लेल तुषार-मण्डित दुर्गम पर्वतक चढ़ाइ, ध्रुव देश वा सहाराक रेगिस्तानक यात्रा; क्रूर, बर्बर जातिक बीच अज्ञात घोर जंगलमे प्रवेश, आदि पूरा वीरता आ पराक्रमक कर्म थिक। एहिमे जाहि आनन्दपूर्ण तत्परताक संग लोक प्रवृत्त भेल अछि, ओहो उत्साहे थिक।

(a) उत्साहमे साहसक भूमिकाकेँ स्पष्ट करू। *12*

(b) धीरताक अभिप्राय की थिक ? *12*

(c) उत्साहक सही दर्शन कोना होइत अछि ? *12*

(d) आनन्दपूर्ण तत्परता आ उत्साहक अन्तर्संबंधकेँ रेखांकित करू। *12*

(e) दानीकेँ दानक कारण की सहन करऽ पड़ैत छै ? *12*

Q3. निम्नलिखित अनुच्छेदक सारांश लगभग एक-तिहाइ शब्दमे लिखू। एकर शीर्षक लिखबाक आवश्यकता नहि अछि। सारांश अपनहि शब्दमे लिखू। ***60***

नीक श्रोता होयब सबसँ महत्त्वपूर्ण आ आकर्षक जीवन कौशलमे सँ एक अछि। तैयो अपनामे सँ बहुत कम लोक सुनब जनैत अछि। एकर ई कारण नहि अछि जे हम अधलाह छी, कारण ई अछि जे कियो हमरा सिखेलक नहि। एहिसँ सम्बन्धित तथ्य इहो अछि जे बहुत कम लोक हमरा ध्यानपूर्वक सुनलक अछि। परिणामस्वरूप हम सामाजिक जीवनमे सुनबाक अपेक्षा बजबाक मोहमे फँसल रहैत छी, दोसर सँ भेंटक व्यग्रता रहैत अछि, मुदा सुनबाक नहि। शनैः शनैः मित्रता सामाजिक स्वार्थमे परिवर्तित हुअ लगैत अछि। एक नीक श्रोता कतेको एहन कार्य करैत अछि, जकरा संग समय बितायब सुखद अनुभूति प्रदान करैत अछि। हमरा लोकनि कोनो एहन गपक संग वार्त्तालाप शुरू करैत छी, जे महत्त्वपूर्ण तँ लगैत अछि, मुदा स्पष्ट नहि होइत अछि। कखनो कऽ हम अपन काजकेँ लऽ कऽ तनावमे रहैत छी, तँ कखनो अपन कार्यक्षेत्रमे महत्त्वाकांक्षी बनबाक लेल सोचैत रहैत छी, हम सुनिश्चित नहि कऽ पबैत छी जे हमरा लेल की उचित अछि, कखनो हमरा ई संदेह होइत अछि जे कोनो सम्बन्ध कठिनताक संग बीति रहल अछि, हम कोनो बात कें लऽ कऽ चिंतित रहैत छी वा जीवनमे निराशाक अनुभव कऽ रहल होइत छी (जखन कि हमरा ठीक-ठीक बूझल नहि रहैत अछि जे समस्या की अछि) वा हम कोनो प्रयोजन सँ अत्यधिक उत्साहित रूप सँ आ उर्जासँ भरल रहैत छी, किंतु अपन एहि उत्साहक कारण कें स्पष्ट रूपसँ बूझि नहि पबै छी।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

वस्तुत: ई सभ विषय स्पष्टताक माँग करैत अछि। एक नीक श्रोता ई बुझैत अछि जे आदर्श रूपसँ दोसर सँ गप-सप हमरा एक ओझरायल आ उत्तेजित मनसँ निकालि कऽ एक अधिक केंद्रित आ शांत मनक अवस्था धरि पहुँचा सकैत अछि। संवादक माध्यमसँ हम सब मिल कऽ ई बुझबाक प्रयास कऽ सकैत छी जे वस्तुत: दांव पर की लागल छल, मुदा हरदम एना नहि भऽ पबैत अछि। किएक जे गप-सप मे स्पष्टताक इच्छा आ आवश्यकताक प्रति जागरूकता नहि होइत छै। नीक श्रोताक कमी होइत अछि। परिणामस्वरूप लोक विश्लेषण करबाक फलस्वरूप अपन-अपन बात पर अड़ल रहैत अछि। ओ अपन चिंता, उत्साह, उदासी वा आशा केँ बेर-बेर भिन्न-भिन्न रूपमे दोहराबैत अछि। सामने बला सुनैत अछि, मुदा ओकरा गहींर सँ बुझबामे मदद नहि करैछ। नीक श्रोता गप-सपक सूक्ष्म युक्तिक आश्रय संग स्थितिकेँ बदलैत अछि।

जखन दोसर व्यक्ति बजैत अछि, तखन ओ ओकरा संग पूरा-पूरी जुड़ि जाइत अछि। ओ छोट-छोट प्रोत्साहन दैत अछि, जेना – सहानुभूतिपूर्वक आह, उत्साहवर्धक संकेत वा रुचिपूर्ण रणनीतिक जिज्ञासा, एहि तरहें ओ सामने बलाकेँ अपन विचार आ भावनाक तलमे जयबाक लेल प्रेरित करैत अछि। ओ ई कहब पसन्द करैत अछि – ''हमरा एकर विषयमे और कहू ...'', ''जखन अहाँ एहन कहलहुँ, तखन हम मंत्रमुग्ध भऽ गेलहुँ'', ''अहाँ केँ की लगैत अछि, एना किएक भेल ?'' वा ''अहाँ केँ तखन केहन अनुभव भेल ?'' एक नीक श्रोता ई मानि कऽ चलैत अछि जे दोसर सँ गप-सपमे अस्पष्टता स्वाभाविक अछि। ओ नहि तँ आलोचना करैत अछि आ नहि अधीर होइत अछि। ओ ई बुझैत अछि जे अस्पष्टता एक सार्वभौमिक आ महत्त्वपूर्ण मनक जटिलता अछि, जकरा फरिछेबाक दायित्व एक सुच्चा मित्रक अछि। जखन की हम कोनो अनुभवक सानिध्यमे मरराइत रहैत छी, किंतु ओकर मूल कारण धरि नहि पहुँचि पबै छी। एहन मे एक नीक श्रोता हमरा विस्तार सँ बजबाक, गहींर धरि जयबाक आ अग्रसर होयबाक लेल प्रेरित करैत अछि। हमरा एहन व्यक्तिक आवश्यकता होइत अछि जे उचित राय देबाक बदला मात्र दू सोझ, मुदा चमत्कारिक शब्द बाजय – 'बढ़ैत चलू'। हम भाय-बहिनक उल्लेख करैत छी आ ओ अतिरिक्त जिज्ञासा रखैत अछि; यथा – हुनका नेनपनमे सम्बन्ध केहन छल ? समयक संग हुनकामे की परिवर्त्तन भेलनि, ओ ई बुझबाक प्रयास करैत अछि, जे हमर चिंता आ उत्साहक मूल कतऽ अछि ? ओ पुछैत अछि – ''ओ बात अहाँ केँ एते परेशान किएक कऽ रहल अछि?'' वा ''ओ बात अहाँक लेल एतेक महत्त्वपूर्ण किएक छल?'' संगहि, ओ हमर पहिलुका बात केँ सेहो मोन रखैत अछि। कखनो-कखनो ओ हमर कहल कोनो पुरान बात केँ संदर्भ दैत अछि आ हमरा अनुभव होइत अछि जे ओ वास्तवमे हमरा संग गहींर सँ जुड़बाक प्रयास कऽ रहल अछि। अस्पष्ट बात करब घातक रूपसँ आसान होइत अछि। हम हरदम ई कहैत छी जे कोनो वस्तु सुन्दर अछि, वा भयानक, सुखद अछि वा परेशान करऽ बला, मुदा हम ई बुझबाक प्रयास नहि करैत छी जे हमरा एना किएक अनुभव होइत अछि। एक नीक श्रोता हमर एहि आधारभूत बात पर रचनात्मक एवं मैत्रीपूर्ण संशय करैत अछि आ एहि गहींर भावनाकेँ बुझबाक प्रयास करैत अछि, जे हमरा भीतर नुकायल रहैत अछि।

(698 शब्द)

Prepp
Your Personal Exams Guide

Q4. **निम्नलिखित गद्यांशकेँ अंगरेजीमे अनुवाद करू :** ***20***

भारतीय नाविक जहाज चलेबाक अपन कौशलक लेल प्राचीने काल सँ प्रसिद्ध रहल अछि। एखन सँ 5000 वर्ष पूर्व ओ लोकनि समुद्रमे नाव चलायब आरंभ कयने छल। ओहि समयमे समुद्री यात्रामे काज आबऽ बला किछु गनल-गुथल यंत्र होइत छल। आजुक समयक परिष्कृत उपकरण सन ताहि दिन उपलब्ध नहि छल। मुदा, प्राचीन नाविकक ज्ञानेन्द्री सम्भवत: बेसी तीक्ष्ण होइत छल। हुनकामे मौसमक पूर्वानुमानक ज्ञान बढ़ियाँ छल। ओ ग्रह-नक्षत्रक परीक्षण कऽ सकैत छलाह, हवाक सूझ-बूझ हुनकामे छलनि आ समुद्रक पानिक रंगसँ गहराइ कहि सकैत छलाह। समुद्री जीव-जंतु केँ देखिकऽ ओ जमीन सँ दूरी आ कतेको बेर तँ देश धरिक पता लगा लैत छलाह। ओहि जमानामे कोनो समुद्री अकादमी नहि छल। तँ जे कोनो प्रशिक्षण हुनका भेटैत छलनि, ओ अनुभवक पाठशालामे परीक्षण आ गलती सँ सिखबा पर आधारित होइत छल। कखनो-कखनो दुर्घटना सेहो भऽ जाइत छल, मुदा हुनक साहस आ आत्मविश्वास हुनका समुद्री यात्राक प्रेरणा दैत रहैत छल। एहीक बल पर ओ पश्चिममे फारसक खाड़ी, अफ्रीकाक पूर्वी तट आ पूर्व तथा सुदूर पूर्व इंडोनेशिया, कम्बोडिया, अन्नाम, बोर्नियो तथा सेलीबीज सन दूर-दराज द्वीप धरि पहुँचऽ मे सफलता प्राप्त कयलनि। समुद्री प्रशिक्षणक आधुनिक काल 1920 क दशकक प्रारंभिक वर्षमे शुरू भेल।

आजादीक बाद भारतमे परिवर्त्तनक सुखद बयार बहि रहल अछि। भारतक गौरवशाली जहाजरानी परंपराक जे सूर्य किछु शताब्दी पूर्व अस्त भऽ गेल छल, से एक बेर फेर उदय भऽ कऽ चमकऽ लागल अछि। भारतीय जहाजरानी आइ सही दिशामे अग्रसर अछि।

Q5. **निम्नलिखित गद्यांशकेँ मैथिलीमे अनुवाद करू :** ***20***

Orientation for entrepreneurship has to start right from the schools. In schools, teachers need to highlight the role of entrepreneurship in national development. During college, students must be exposed to business development opportunities and must be trained towards the creation of new enterprises. Parents should encourage their children to take up new ventures after their education. We should cultivate a mindset that 'Idea is wealth'.

Prepp
Your Personal Exams Guide

The government must create a facilitating environment for the provision of venture capital for innovative ideas without collateral security. Universities and engineering and management institutions should work with banks and other funding agencies towards simplifying procedures for setting up businesses and working with entrepreneurs till the project becomes self-sustaining and viable. Procedures in government should facilitate the spotting and recognition of new Indian talent in entrepreneurship by creating a level playing field for healthy competition. Citizens who can afford it should turn themselves into angel investors or start venture capital organizations to fund such new ventures. Big and small industries need to have an open mind in order to encourage and partner with young entrepreneurs.

Q6. **(a)** **निम्नलिखित अनेकक शब्दक एक शब्द लिखू :** *2×5=10*

(i) बुझबाक इच्छा *2*

(ii) सुन्दर मुँह बाली *2*

(iii) जे बहुत बाजय *2*

(iv) आँखिक समक्ष *2*

(v) दूर धरि देखनिहार *2*

(b) **निम्नलिखित शब्दक पर्यायवाची शब्द लिखू :** *2×5=10*

(i) कमल *2*

(ii) गणेश *2*

(iii) अमृत *2*

(iv) घोड़ा *2*

(v) आम *2*

www.prepp.in
Prepp
Your Personal Exams Guide

(c) **निम्नलिखित शब्दक विपरीतार्थक शब्द लिखू :** *2×5=10*

(i) अमर *2*

(ii) विशेष *2*

(iii) उदार *2*

(iv) सुलभ *2*

(v) मिलन *2*

(d) **निम्नलिखित शब्द-युग्ममे भेद स्पष्ट करू :** *2×5=10*

(i) अरि – अरी *2*

(ii) अवधि – अवधी *2*

(iii) कुल – कूल *2*

(iv) कोष – कोश *2*

(v) चिर – चीर *2*